



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 14 फरवरी, 2000/25 माघ, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

कामिक विभाग  
(सचिवालय प्रशासन सेवाएँ-1)

अधिसूचना

शिमला-171 002, 17 जनवरी, 2000

संख्या कामिक (सचि० प्रशा०-1)ए(3)-1/99.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या कामिक (सचि० प्रशा०-1)ए(3)-1/96, दिनांक 6 दिसम्बर, 1997 द्वारा अधिसूचित कामिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) हिमाचल प्रदेश में सहायक विधायी प्रारूपकार (हिन्दी), वर्ग-II (राजपत्रित) के पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कामिक विभाग (सचिवालय प्रशासन), सहायक विधायी प्रारूपकार (हिन्दी), वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2000 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. अधिसूचना संख्या पर (एस० ए० एस-1) (ए) (3)-1/96, तारीख 6-12-1997 का संशोधन.—अधिसूचना संख्या पर (एस० ए० एस-1) (ए) (3)-1/96, तारीख 6-12-97 में शब्दों और कोष्ठकों सहायक विधायी प्रारूपकार (हिन्दी) जहाँ भी ये आए हैं के स्थान पर "विधि अधिकारी" शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

2. उपाबन्ध 'अ' का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश कामिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) सहायक विधायी प्रारूपकार (हिन्दी), वर्ग II राजपत्रित भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या 1 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“वरिष्ठ विधि अधिकारी (हिन्दी)”

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“7220-220-8100-275-10309-340-11660 रुपये जमा रुपये 400/- प्रतिमाह सचिवालय भत्ता”

(ग) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“कामिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवायें) के विधि अधिकारी (हिन्दी) और विधि अधिकारी (प्रूफ रीडिंग) में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-98 तक ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो। प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए पात्र अधिकारियों को, उनके अपने ग्रेड में पारस्परिक उद्येष्टता को को परिवर्तित किये बिना उनके सेवाकाल के आधार पर एक संयुक्त वरिष्ठता सूची विहित की जाएगी:

परन्तु 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् स्थाईकरण के परिणामस्वरूप पारस्परिक वरिष्ठता अपरिवर्तित रहेगी।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहत हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण पद पर तदर्थ नियुक्ति/भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के अनुसार चयन को उचित प्रक्रिया लो अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपयुक्त निदिष्ट उपाबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र हो जाते हैं वहां उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों को, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन बर्ष की न्यूनतम अग्रता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मेड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन ग्राफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इस के अन्तर्गत बरीयता लाभ दिये गए हों या जिसे एक्स-डिक्लेसमेंट

(रिजर्वेशन ग्राफ बेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत अर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गए हों ।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और अर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-98 तक की गई तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

(घ) स्तम्भ संख्या 17 के सामने बिद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सेवा में प्रत्येक सदस्य हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 से यथाविहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Per(SAS-I)A(3)-1/99, date 17-1-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

### PERSONNEL DEPARTMENT (Secretariat Administration Services-I)

#### NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 17th January, 2000

**No. Per (SAS-I)A(3)-1/99.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following Rules to amend the Assistant Legislative Draftsman (Hindi) Class-II (Gazetted) Department of Personnel (Secretariat Administration), Himachal Pradesh Recruitment and Promotion Rules, 1997, notified by this department vide notification of No. Per (SAS-I)A(3)-1/96-I, dated 6th December, 1997, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Assistant Legislative Draftsman (Hindi) Class-II (Gazetted) Department of Personnel (Secretariat Administration), Himachal Pradesh, Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2000.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. **Amendment of Notification No. Per(SAS-I)A(3)-1/96, dated 6-12-1997.**—In notification No. Per(SAS-I)A(3)-1/96-I, dated 6-12-1997 for the words and brackets Assistant Legislative Draftsman (Hindi) occur, the words and brackets Senior Law Officer (Hindi) shall be substituted.

2. *Amendment in Annexure "A".*—In Annexure "A" to Assistant Legislative Draftsman (Hindi) Class-II (Gazetted) Department of Personnel (Secretariat Administration), Himachal Pradesh, Recruitment and Promotion Rules, 1997.

- (a) for the existing provisions against the Col. No. 1, the following shall be substituted, namely :—

"Senior Law Officer (Hindi)"

- (b) for the existing provisions against the Col. No. 4, the following shall be substituted, namely :—

"Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-11660 + Rs. 400/- per month Secretariat Allowance".

- (c) for the existing provisions against the Col. No. 11, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion from amongst the Law Officer (Hindi) and the Law Officer (Proof Reading) in the Personnel (Secretariat Administration Services), Department with atleast three years regular service or regular with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service, if any, in the grade".

For the purpose of promotion a combined seniority list of eligible officers on the basis of length of service in their respective grades without disturbing their *inter-se* seniority shall be prescribed. Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 shall remain unchanged.

- (1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these Rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) followed by regular service/appointment in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical

Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of the seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of *Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985* and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service; if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the Recruitment and promotion Rules:

Provided that *inter se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998, as referred to above shall remain unchanged.

- (d) For the existing provisions against Column No. 17, the following shall be substituted, namely :—

“Every member of the service shall pass the Departmental Examination as prescribed Examination Rules, 1997.”

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

---

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित